

सुखदानी वि. (तत्.) सुख देने वाली, आनंद देने वाली।

सुखदायक वि. (तत्.) सुख देने वाला, सुखद पुं. एक प्रकार का छंद।

सुखदायी वि. (तत्.) सुख देने वाला, सुखद।

सुखदायो वि. (तद्.) सुखदायी।

सुखदाव वि. (तद्.) सुखदायी।

सुख-दुख वि. (तत्.) 1. शब्द या वर्ण जिसका उच्चारण सरलता से किया जा सकता हो 2. सुंदर बातें करने वाला 3. जो मुँहजोर न हो।

सुखदेनी वि. (तद्.) सुखदायिनी।

सुखदेव पुं. (तद्.) शुकदेव वि. सुखदायी, सुख देने वाला।

सुखदैनी वि.स्त्री. (तद्.) सुखदायिनी, सुख देने वाली।

सुखदोहया वि.स्त्री. (तत्.) वह गाय जो आसानी से दुही जा सके।

सुखधाम पुं. (तत्.) ऐसा स्थान जहाँ सब प्रकार के सुख प्राप्त हो, सुख का घर, बैकुंठ, वह जिसमें सब प्रकार के सुख वर्तमान हो, वि. सुखदायक, सुखी।

सुखन पुं. (फ़ा.) वार्ता, बात, कथन, शब्द, ध्वनि, वार्तालाप, बातचीत, संविदा, वादा, कौल, कविता, काव्य, शेर, शाहरी, प्रवचन।

सुखना अ.क्रि. (देश.) सूखना।

सुखनीलांबरी स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

सुखपति स्त्री. (देश.) सुषुप्ति।

सुखपर वि. (तत्.) सुखी।

सुखपाक पुं. (तत्.+तद्.) पुरानी पद्धति की एक प्रकार की पालकी जिसका ऊपरी भाग शिवालय के शिखर की तरह का होता है।

सुखपूर्वक अव्य. (तत्.) सुख से।

सुखप्न पुं. (तद्.) 1. अच्छा स्वप्न, शुभ स्वप्न 2. लाक्ष. मनचाही कल्पना 3. शिव।

सुखप्रद वि. (तत्.) सुखद, सुख देने वाला।

सुखप्रश्न पुं. (तत्.) किसी का कुशल-क्षेम सुख-क्षेम जानने के लिए की जाने वाली जिज्ञासा।

सुख प्रसवा वि.स्त्री. (तत्.) जिसे प्रसव करने के समय विशेष कष्ट न होता हो।

सुखप्रिय वि. (तत्.) जो सदा सुख से रहना चाहता हो पुं. संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

सुखबंधन वि. (तत्.) विलास प्रिय।

सुखबोध वि. (तत्.) 1. वह बात या विषय जिसका बोध या ज्ञान सहज में हो सकता हो 2. जिसको सरलता से जाना या सकता हो पुं. 1. सुख या आनंद का अनुभव 2. सरल ज्ञान, बोध।

सुखमंदिर पुं. (तत्.) महल का वह खास हिस्सा या विभाग, जिसमें राजा लोग बैठकर नृत्य-संगीत आदि देखते-सुनते थे।

सुखमणा स्त्री. (तद्.) सुषुम्ना नाड़ी।

सुखमणि पुं. (तत्.) सिक्खों का एक छोटा धर्मग्रंथ जिसका वे प्रायः नित्य पाठ करते हैं और उसे श्रद्धापूर्वक 'सुखमणि साहिब' कहा जाता है स्त्री. सुख या आनंद देने वाली मणि या अमूल्य वस्तु या दिव्य वस्तु।

सुखमन स्त्री. (तद्.) सुषुम्ना नाम की नाड़ी।

सुखमानी वि. (तत्.) 1. किसी विशिष्ट अवस्था में सुख मानने वाला 2. हर अवस्था में सुखी रहने वाला।

सुखराज पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा या श्रेष्ठ, सुख 2. साधना की पूर्णता पर प्राप्त होने वाला महनीय सुख 3. रति सुख।

सुखरात स्त्री. (तद्.) सुख की रात्रि।

सुखरात्रि स्त्री. (तत्.) 1. दीपावली की रात, कार्तिक मास की अमावस्या की रात 2. वह रात जिसमें पति-पत्नी सुख के लिए रति करते हैं।